

ing the occurrence of gas or oil in various parts of the country and in all such cases ONGC carries out on the spot investigations as well as laboratory analysis of the samples collected. In their area of activity, Oil India Limited has also not allowed to go un-noticed any show of hydrocarbons even though it was superficial.

(b) R&D efforts of ONGC are directed towards developing petroleum resources in the country. ONGC is not doing any R&D work on methods of developing shallow dissolved gas (marsh gas).

दिल्ली के आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केन्द्रों की घड़ियां

3015. श्री होरा लाल आर० परमार : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि दिल्ली के आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केन्द्रों की घड़ियां हमेशा अलग अलग समय बताती हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली दूरदर्शन के कई दर्शकों ने इस सम्बन्ध में शिकायतें की हैं ; और

(ग) यदि हां, तो दोनों केन्द्रों के एक ही स्थान पर स्थित होने के बावजूद दोनों केन्द्रों की घड़ियों द्वारा भिन्न-भिन्न समय दिखाये जाने के क्या कारण हैं और क्या इस गलती को दूर किया जायेगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (कुमारो कुमुब बेत एम० जोशी) : (क)जी, नहीं ।

(ख) दिल्ली दूरदर्शन केन्द्र को इस सम्बन्ध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है ।

(ग) जहां तक आकाशवाणी का संबंध है इन घड़ियों का ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन द्वारा प्रसारित समय सिगनलों और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली द्वारा प्रसारित परमाणु मानक समय सिगनलों के साथ नियमित रूप से मिलान किया जाता है । इस प्रकार, आकाशवाणी द्वारा घोषित और प्रसारित समय सिगनलों को भारतीय मानक समय के साथ मिलाया जाता है ।

दिल्ली दूरदर्शन का डिगीटल घड़ी को प्रतिदिन 1700 बजे से 1730 बजे के बीच आकाशवाणी, दिल्ली की बड़ी घड़ी के साथ मिलाया जाता है और इसके द्वारा सही समय देने की अपेक्षा की जाती है । हालांकि यह संभावना है कि कुछ अवसरों पर इन घड़ियों में कुछ सेकण्डों का अन्तर दिखाई पड़ा हो । यह अन्तर कुछ सेकण्डों तक ही सीमित हो सकता है ।

सही समय के प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए घड़ियों को प्रतिदिन मिलाया जा रहा है ।

बरोनी और बोगाईगांव में बन्द पड़े तेल शोधक कारखाने

3016. श्री जगपाल सिंह : क्या पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या आसाम आन्दोलन के कारण बरोनी और बोगाईगांव स्थित तेलशोधक कारखाने बन्द पड़े हैं जिसके परिणामस्वरूप नेफथा, मिट्टी के तेल, हाई स्पीड डीजल, मोटर स्पिरिट जैसे पेट्रोलियम उत्पादों के कितनी हानि हुई है, यदि हां, तो कितनी हानि हुई है ?

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह) : जब कि गोहाटी एवं दिम्बोई शोधनशालाओं

में असम झान्दोलन के कारण रुक-रुक कर कार्य हो रहा है, बोंगाईगांव एवं बरोनी शोधनशालाएं दिसम्बर, 1979 के अन्त/जनवरी, 1980 के शुरू से बन्द पड़ी हैं। जनवरी, 1980 से अक्टूबर, 1980 के अन्त तक दिग्बोई, गोहाटी, बोंगाईगांव तथा बरोनी शोधनशालाओं में असम में

झान्दोलन के कारण कुल अनुमानित 3.5 मि० मी० टन क्रूड थू पुट की हानि हुई है। विभिन्न उत्पादों के उत्पादन में हुई अनुमानित हानि तथा औसत अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों के संदर्भ में उनकी कुल कीमत नीचे दी गई है :—

उत्पाद	मात्रा (000 मी/टन)	मूल्य (रुपये/ करोड़ों में)
एम० एस० नेफथा	601	168.28
ए० टी० एफ०/मिट्टी का तेल	276	77.28
एच० एस० डी०/एल०डी०ओ०	1480	390.72
एफ० ओ०/एल० एस० एच० एस०	542	82.38
अन्य उत्पाद	285	45.60
जोड़ (सभी उत्पाद)	3184	764.26
ईंधन और हानियां	266	—
कुल क्रूड थू पुट	3450	—

इसी समय में बरोनी तथा बोंगाईगांव शोधनशालाओं में क्रमशः 2.676 मि० मी० टन तथा 0.45 मि० मी० टन क्रूड थू पुट की हानि हुई है।

Names of coal based Fertilizer Plants

3017. SHRI ARJUN SETHI: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the names of coal-based fertilizer plants in the country which are functioning on commercial production; and

(b) the number and names of the coal based fertilizer units which are likely to start functioning during the current financial year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS

(SHRI DALBIR SINGH): (a) The two coal-based fertilizer plants one at Ramagundan in Andhra Pradesh and the other at Talcher in Orissa have gone on commercial production with effect from 1st November, 1980.

(b) Nil.

Medical facilities at Coal Mines

3018. SHRI KAMAL NATH JHA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the medical facilities available at the coal mines are inadequate; and